

Vaishnaw reviews progress of Ahmedabad Station redevelopment, Bullet Train project

EXPRESSNEWS SERVICE
AHMEDABAD, NOVEMBER 3

UNION RAILWAY Minister Ashwini Vaishnaw, who visited Gujarat for a high-level meeting on semiconductor processing units in the state, on Monday reviewed the progress of the Ahmedabad Railway Station's redevelopment as well as the High-Speed Rail (Bullet Train) Project.

A statement from the Western Railway (WR) quoted Vaishnaw as saying, "More than 1,300 railway stations across the country are currently under redevelopment, among which Ahmedabad is one of the major stations.

The work on the Bullet Train project on the Saraspur side is progressing rapidly and the Ahmedabad High-Speed Rail station is almost ready.

The Bullet Train station and



Railway Minister Ashwini Vaishnaw and others at the Ahmedabad Railway Station on Monday. Express

the Ahmedabad railway station are being developed as an integrated complex, which will provide passengers with seamless transfer facilities. He further added that three additional platforms will be available at Ahmedabad station, enhancing its operational capacity." The minister said during his previous visit, the basement work was underway, while now the structure has reached the fourth floor.

On the Indian Railways dealing with high passenger flow, Vaishnaw said, "Major stations such as Delhi, Mumbai, Chennai, Kolkata and Ahmedabad receive high demand for new trains. In Gujarat, Ahmedabad and Surat have the highest demand.

To meet this increasing demand and improve operational capacity, a Mega Terminal is being developed

at Vatva, Ahmedabad, with 10 pit lines, which will add capacity for about 45 additional trains, enabling the operation of nearly 150 trains from Ahmedabad."

On the integration of heritage in redevelopment of the Kalupur railway station, Vaishnaw said, "The redevelopment of Ahmedabad station is based on the concept of integrating heritage structures with a modern urban center... The architectural design of the station is inspired by the Modhera Sun Temple, reflecting a beautiful blend of cultural heritage and modern aesthetics.

The iconic MMTH Tower on the Kalupur side will become a new landmark in Ahmedabad's skyline. Heritage structures like the ASI-protected Brick Minar and Jhulta Minar will also be integrated into the redevelopment plan."

Kalupur stn to get 3 new platforms

TIMES NEWS NETWORK

Ahmedabad: The redevelopment of Kalupur railway station received a major boost with the addition of three new platforms planned as part of the ongoing modernization project. The station currently has 10 platforms.

Union railways minister Ashwini Vaishnaw announced the expansion during his visit on Monday. The project includes construction of a 16-storey modern building hou-



sing passenger amenities and services. Vaishnaw said the work on the bullet train project on the Saraspur side is progressing rapidly, with the

high-speed rail station here almost ready. The bullet train and Kalupur stations are being developed as an integrated complex, ensuring seamless transfers between high-speed rail, Metro, and BRTS through an elevated network.

The minister said the Kalupur and Saraspur sides were being developed. All platforms will be covered by a concourse roof plaza, and an elevated road. A foot overbridge will connect both ends of the city through the station.

रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव ने लिया स्टेशन का जायजा

मोढेरा सूर्य मंदिर की तर्ज पर विकसित होगा अहमदाबाद रेलवे स्टेशन

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

अहमदाबाद. रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सोमवार को अहमदाबाद रेलवे स्टेशन का दौरा कर पुनर्विकास और हाई स्पीड रेल परियोजना की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि देशभर में 1300 से अधिक स्टेशनों का पुनर्विकास हो रहा है, जिसमें अहमदाबाद एक प्रमुख स्टेशन है। अहमदाबाद स्टेशन पर 16 मंजिला आधुनिक भवन का निर्माण हो रहा है।

बुलेट ट्रेन परियोजना तेजी से आगे बढ़ रही है।

मंत्री ने कहा कि अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल स्टेशन लगभग पूर्णता की ओर है। स्टेशन और बुलेट ट्रेन स्टेशन को एकीकृत रूप से विकसित किया जा रहा है, जिससे यात्रियों को सहज स्थानांतरण की सुविधा मिलेगी। स्टेशन को तीन अतिरिक्त प्लेटफॉर्म मिलेंगे, जिससे परिचालन क्षमता बढ़ेगी।

अहमदाबाद स्टेशन का पुनर्विकास विरासत स्मारकों को आधुनिक शहरी केंद्र के साथ एकीकृत करने की अवधारणा पर



अहमदाबाद स्टेशन का जायजा लेते रेल मंत्री वैष्णव।

आधारित है। यह परियोजना एक विश्वस्तरीय मल्टीमॉडल ट्रांसपोर्ट हब का निर्माण करेगी, जिसमें पर्याप्त पार्किंग, कालूपुर आरओबी और सारंगपुर आरओबी को जोड़ने वाला एलिवेटेड रोड नेटवर्क, लैंडस्केप प्लाजा, कॉनकोर्स एरिया तथा उन्नत यात्री सुविधाएं शामिल होंगी।

स्टेशन का वास्तुशिल्प डिजाइन मोढेरा सूर्य मंदिर से प्रेरित है। कालूपुर साइड स्थित आइकॉनिक एमएमटीएच टॉवर अहमदाबाद के वास्तु परिदृश्य का नया प्रतीक बनेगा। एसआइ

संरक्षित ईट मीनार और झूलता मीनार को भी पुनर्विकास योजना में शामिल किया जाएगा।

रेल पटरियों के ऊपर 15 एकड़ में फैला कॉनकोर्स प्लाजा और 7 एकड़ का मेजेनाइन प्लाजा बनाया जाएगा, जिसमें यात्रियों के लिए प्रतीक्षा कक्ष, शौचालय, फूड कोर्ट, खुदरा दुकानें आदि सुविधाएं होंगी। यह पुनर्विकसित स्टेशन एक ग्रीन बिल्डिंग के रूप में विकसित होगा, जो ऊर्जा दक्षता, जल संरक्षण एवं नवीकरणीय ऊर्जा के उपयोग पर केंद्रित रहेगा।

रेल मंत्री ने की बुलेट ट्रेन परियोजना की समीक्षा

■ कहा, देश में 1300 से अधिक रेलवे स्टेशनों पर पुनर्विकास कार्य प्रगति पर

नई दिल्ली, 3 नवम्बर (नवोदय टाइम्स): रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सोमवार को अहमदाबाद स्टेशन का दौरा किया। इस अवसर पर उन्होंने अहमदाबाद स्टेशन पर चल रहे स्टेशन पुनर्विकास कार्यों तथा हाई स्पीड रेल (बुलेट ट्रेन) परियोजना की प्रगति की समीक्षा की।

वैष्णव ने अहमदाबाद स्टेशन



पुनर्विकास कार्य का निरीक्षण किया और इस अवसर पर मीडिया से चर्चा करते हुए बताया कि भारत में यात्रियों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए देशभर में स्टेशनों का व्यापक पुनर्विकास किया जा

रहा है। वर्तमान में 1300 से अधिक रेलवे स्टेशनों पर पुनर्विकास कार्य प्रगति पर है, जिनमें अहमदाबाद स्टेशन एक प्रमुख स्टेशन है।

रेल मंत्री ने बताया कि अहमदाबाद स्टेशन पर 16 मंजिला

आधुनिक भवन का निर्माण किया जा रहा है। सरसपुर साइड पर बुलेट ट्रेन परियोजना का कार्य तेजी से चल रहा है तथा अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल स्टेशन लगभग पूर्णता की ओर है। बुलेट ट्रेन स्टेशन और अहमदाबाद रेलवे स्टेशन को आपस में एकीकृत रूप से विकसित किया जा रहा है, सरसपुर साइड मेट्रो स्टेशन का कार्य पूर्ण हो चुका है तथा यात्रियों के लिए खोला जा चुका है।

उन्होंने बताया कि अहमदाबाद स्टेशन को तीन अतिरिक्त प्लेटफॉर्म प्राप्त होंगे, जिससे स्टेशन की ट्रेनों की परिचालन क्षमता में वृद्धि होगी।

अहमदाबाद स्टेशन पुनर्विकास एवं हाई स्पीड रेल परियोजना के प्रगति की समीक्षा

वैभव न्यूज़ ■ नई दिल्ली

रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सोमवार को अहमदाबाद स्टेशन का दौरा किया। इस अवसर पर उन्होंने अहमदाबाद स्टेशन पर चल रहे स्टेशन पुनर्विकास कार्यों तथा हाई स्पीड रेल (बुलेट ट्रेन) परियोजना के प्रगति की समीक्षा की। रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने अहमदाबाद स्टेशन पुनर्विकास कार्य का निरीक्षण किया और इस अवसर पर मीडिया से चर्चा करते हुए बताया कि भारत में यात्रियों की आवश्यकताओं को



ध्यान में रखते हुए देशभर में स्टेशनों का व्यापक पुनर्विकास किया जा रहा है। वर्तमान में 1300 से अधिक रेलवे स्टेशनों पर पुनर्विकास कार्य प्रगति पर है। जिनमें अहमदाबाद

स्टेशन एक प्रमुख स्टेशन है। रेल मंत्री ने बताया कि अहमदाबाद स्टेशन पर 16 मंजिला आधुनिक भवन का निर्माण किया जा रहा है। सरसपुर साइड पर बलेट ट्रेन

परियोजना का कार्य तेजी से चल रहा है तथा अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल स्टेशन लगभग पूर्णता की ओर है। बुलेट ट्रेन स्टेशन और अहमदाबाद रेलवे स्टेशन को आपस में एकीकृत (इंटीग्रेटेड) रूप से विकसित किया जा रहा है, सरसपुर साइड मेट्रो स्टेशन का कार्य पूर्ण हो चुका है तथा यात्रियों के लिए खोला जा चुका है। उन्होंने आगे बताया कि अहमदाबाद स्टेशन को तीन अतिरिक्त प्लेटफॉर्म प्राप्त होंगे, जिससे स्टेशन की ट्रेनों की परिचालन क्षमता में वृद्धि होगी। स्टेशन को शहर के दोनों ओर कालपुर और सरसपुर साइड आधुनिक स्वरूप में विकसित किया जा रहा है। सभी प्लेटफॉर्म कोकर्स

रूप प्लाज़ा से कवर हो जाएंगे तथा स्टेशन पर एलीवेटेड रोड का कार्य भी तीव्र गति से जारी है। इस प्रकार शहर के दोनों छोर कोकर्स, एलेवेटेड रोड, फुटओवर ब्रिज से जुड़ जाएगा। मंत्री महोदय ने बताया कि पिछली बार जब उन्होंने परियोजना का निरीक्षण किया था, तब बेसमेंट का कार्य प्रगति पर था, अब दो अंडरग्राउंड बेसमेंट एवं ग्राउंड फ्लोर का कार्य पूर्ण हो गया है जबकि चौथी मंजिल तक का स्ट्रक्चर फ्रेम तैयार हो चुका है। देश के प्रमुख 20 स्टेशनों जैसे दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, कोलकाता और अहमदाबाद से नई ट्रेनों की डिमांड अधिक आती है। गुजरात में

अहमदाबाद और सूरत से से अधिक मांग रहती है। इस बढ़ती डिमांड को ध्यान में रखते हुए ट्रेनों की परिचालन क्षमता बढ़ाने हेतु अहमदाबाद के वटवा में एक मेगा टर्मिनल विकसित किया जाएगा, जिसमें 10 पिट लाइनों का निर्माण होगा। इसके माध्यम से लगभग 45 अतिरिक्त ट्रेनों की कैपेसिटी बढ़ेगी जिससे अहमदाबाद से लगभग 150 ट्रेनों का संचालन संभव हो जाएगा। अहमदाबाद स्टेशन का पुनर्विकास कार्य विरासत स्मारकों को आधुनिक शहरी केंद्र के साथ एकीकृत करने की अवधारणा पर आधारित है।

Railway Minister reviews railway station redevelopment, bullet train

રેલવે મંત્રીએ રેલવે સ્ટેશનના રિડેવલપમેન્ટ, બુલેટ ટ્રેનની સમીક્ષા કરી કાલુપુર રેલવે સ્ટેશને ૧૬ માળની બિલ્ડિંગ વટવામાં મેગા ટર્મિનલનું નિર્માણ કરાશે

મોઢેરાના સૂર્ય મંદિર અને ઝૂલતા મિનારાની થીમ પર ડિઝાઈન બનાવાશે

। અમદાવાદ ।

અમદાવાદ રેલવે સ્ટેશનની સોમવારે રેલવે મંત્રીએ મુલાકાત લઈ સ્ટેશનના રિડેવલોપમેન્ટ અને બુલેટ ટ્રેન પ્રોજેક્ટની સમીક્ષા કરી હતી. રેલવે મંત્રીએ જણાવ્યું હતું કે, દેશભરમાં ૧,૩૦૦થી વધુ રેલવે સ્ટેશનોનું વ્યાપક પુનઃવિકાસનું કામ ચાલી રહ્યું છે, જેમાં અમદાવાદ રેલવે સ્ટેશન એક મુખ્ય કેન્દ્ર છે. મુસાફરોની જરૂરિયાતોને ધ્યાનમાં રાખીને વિશ્વ કક્ષાનું ઈન્ફ્રાસ્ટ્રક્ચર ઊભું કરવામાં આવી રહ્યું છે.

અમદાવાદ રેલવે સ્ટેશને ૧૬ માળની આધુનિક બિલ્ડિંગનું નિર્માણ કાર્ય ઝડપથી ચાલી રહ્યું છે. કાલુપુર અને સરસપુર બંને બાજુનું સ્થળ આધુનિક રીતે વિકસાવવામાં આવી રહ્યું છે. સરસપુર સાઈડનું મેટ્રો સ્ટેશનનું કામ પૂર્ણ થઈ ગયું છે અને મુસાફરો માટે તે ખૂલ્લું પણ મૂકી દેવાયું છે. સરસપુર તરફનું બુલેટ ટ્રેન સ્ટેશનનું મોટાભાગનું કામ પૂર્ણ થઈ ગયું છે. બુલેટ ટ્રેન અને રેલવે સ્ટેશનને એકિકૃત સ્વરૂપે વિકસાવવાની પ્રક્રિયા ચાલુ છે. સ્ટેશન પર ત્રણ નવા પ્લેટફોર્મ ઉમેરવામાં આવશે. આથી વધુ ટ્રેનો ચલાવી શકાય. તમામ પ્લેટફોર્મને કોન્ક્રીટ રૂફ પ્લાઝાથી આવરી લેવાશે અને સ્ટેશનને બે તરફથી જોડતા એલિવેટેડ રોડ અને ફૂટ ઓવરબ્રિજનું કામ ઝડપથી આગળ વધી રહ્યું છે. મુસાફરોની માગને ધ્યાને રાખીને વટવામાં ૧૦ પિટ લાઈન ધરાવતા મેગા ટર્મિનલનું નિર્માણ કરાશે. આથી અમદાવાદથી લગભગ ૧૫૦ જેટલી ટ્રેનોનું સંચાલન શક્ય બનશે. સ્ટેશનની ડિઝાઈન મોઢેરાના સૂર્ય મંદિરથી પ્રેરિત છે. ASI દ્વારા સુરક્ષિત ઈટ મીનાર અને ઝૂલતા મીનારને પણ પ્રોજેક્ટમાં સામેલ



બુલેટ ટ્રેન સ્ટેશનની ડિઝાઈનમાં પતંગ, સિદી સૈયદની જાળીનો સમાવેશ

અમદાવાદ બુલેટ ટ્રેન સ્ટેશનની ડિઝાઈનમાં પતંગો અને સિદી સૈયદની જાળીને સ્થાન અપાયું છે. પ્લેટફોર્મ નંબર ૧૦, ૧૧ અને ૧૨ ઉપર ૩૮,૦૦૦ વર્ગ મીટરમાં સ્ટેશન બની રહ્યું છે. સ્ટેશન જમીનની સપાટીથી ૩૩.૭ મીટર ઊંચાઈએ હશે અને અહીં બે હાઇ સ્પીડ પ્લેટફોર્મ બનાવાશે. સ્ટેશનનું માળખું તૈયાર થઈ ગયું છે. સ્ટેશન અંદરના કામો હજુ ચાલી રહ્યા છે.

કરવામાં આવ્યા છે. જેથી શહેરનો સાંસ્કૃતિક વારસો જળવાઈ રહે.

આ પ્રોજેક્ટ અંતર્ગત રેલવે, મેટ્રો, બુલેટ ટ્રેન, BRTS અને રોડ નેટવર્કની સુમેળભરી સુવિધા ઉપલબ્ધ થશે. કોન્ક્રીટ પ્લાઝા, મેઝેનાઈન પ્લાઝા, ફૂડ કોર્ટ, રિટેલ ઝોન, વેઈટિંગ એરિયા, અદ્યતન સુરક્ષા, દિવ્યાંગજનો માટે સુવિધાઓ તેમજ ગ્રીન બિલ્ડિંગ સહિતની સુવિધાઓનો સમાવેશ કરાયો છે.

Announcement made by Railway Minister Ashwini Vaishnav

રેલવે મંત્રી અશ્વિની વૈષ્ણવ દ્વારા જાહેરાત કરાઈ વડોદરા તરફની ટ્રેનો માટે વટવાને ટર્મિનલ તરીકે વિકસાવવા નિર્ણય અમદાવાદ સ્ટેશનનું ટ્રાફિક ભારણ ઘટાડવાનું આયોજન

ભાસ્કર વ્યૂઝ | અમદાવાદ

કાલુપુર રેલવે સ્ટેશનેથી હાલ દરરોજ સરેરાશ 200થી વધુ ટ્રેનોનું સંચાલન થવાની સાથે સરેરાશ 1.50 લાખ પેસેન્જરોની મૂવમેન્ટ થાય છે. જેના કારણે સ્ટેશન પર અને બહારની તરફ હમંશા ટ્રાફિક જામની સમસ્યા સર્જાય છે. આ પરિસ્થિતિમાં પેસેન્જરોને રાહત મળી રહે તે માટે સાબરમતી અને અસારવા સ્ટેશનને ટર્મિનલ તરીકે વિકસાવવામાં આવી રહ્યો છે. ત્યારે હવે વડોદરા તરફ જતી ટ્રેનો માટે વટવાને પણ ટર્મિનલ તરીકે વિકસાવવાની રેલવે મંત્રી અશ્વિની વૈષ્ણવ દ્વારા જાહેરાત કરવામાં આવી છે.

મંત્રીએ વધુમાં જણાવ્યું કે, દેશમાં સૌથી વધુ ટ્રેનોની માગ ધરાવતા 20 સ્ટેશનોમાં અમદાવાદનો સમાવેશ થાય છે. ત્યારે વટવાને ટર્મિનલ તરીકે વિકસાવવામાં આવતા ત્યાંથી વધુ 45 ટ્રેનોની ક્ષમતા વધશે. જેના ભાગરૂપે વટવામાં 10 પિટ લાઈન સાથે કોચિંગ ડેપો પણ બનાવવામાં આવશે. સોમવારે સવારે રેલવે

મંત્રીએ અમદાવાદ સ્ટેશનની મુલાકાત લઈ સ્ટેશન રિડેવલપમેન્ટ પ્રોજેક્ટ તેમજ અમદાવાદ બુલેટ ટ્રેન સ્ટેશનનું નિરિક્ષણ કરવાની સાથે પ્રોજેક્ટની સમિક્ષા કરી હતી.

તેમણે જણાવ્યું કે અમદાવાદ સ્ટેશન ખાતે 16 માળની આધુનિક બિલ્ડિંગનું નિર્માણ કરવામાં આવી રહ્યું છે. જ્યાં બે અંડરગ્રાઉન્ડ અને ગ્રાઉન્ડ ફ્લોરનું કામ પૂર્ણ થઈ ગયું છે જ્યારે ચોથા માળ સુધીની સ્ટ્રક્ચર ફેમ તૈયાર થઈ ગઈ છે. તેની સાથે જ સરસપુર તરફ બુલેટ ટ્રેન પ્રોજેક્ટનું કામ ચાલી રહ્યું છે. જ્યાં બુલેટ ટ્રેન સ્ટેશન અને અમદાવાદ રેલવે સ્ટેશનને એકીકૃત સ્વરૂપે વિકસાવવામાં આવી રહ્યા છે. રેલ ટ્રેક ઉપર 15 એકર ક્ષેત્રમાં કોન્ક્રેટ પ્લાઝા તેમજ 7 એકરનો મેઝેનાઈન પ્લાઝા બનશે, જેમાં મુસાફરો માટે વેઈટિંગ રૂમ, શૌચાલય, ફૂડ કોર્ટ, રિટેલ દુકાનો વગેરે સુવિધાઓ ઉપલબ્ધ રહેશે. સ્ટેશનમાં અઘતન સુરક્ષા તકનીકો, સ્વચાલિત પાર્સલ ડેપો સિસ્ટમ અને દિવ્યાંગજન માટે સુસંગત લિફ્ટ તથા એસ્કેલેટરની સુવિધાઓ ઉપલબ્ધ કરાવાશે.

The roof of the bullet train station in Ahmedabad will have a design of hundreds of kites.

અમદાવાદમાં બુલેટ ટ્રેનના સ્ટેશનની છત પર હશે સેંકડો પતંગની ડિઝાઇન

બુલેટ ટ્રેન પ્રોજેક્ટ અને રીડેવલપ થઈ રહેલા અમદાવાદ સ્ટેશનની રેલવેપ્રધાન અશ્વિની વૈષ્ણવે કરી સમીક્ષા : અમદાવાદના વટવામાં મેગા ટર્મિનલ બનશે

દેશના સૌપ્રથમ બુલેટ ટ્રેન પ્રોજેક્ટમાં અમદાવાદમાં બની રહેલા બુલેટ ટ્રેનના સ્ટેશનની છત પર સેંકડો પતંગોની ડિઝાઇન બનશે. એટલું જ નહીં, અમદાવાદના વટવામાં મેગા ટર્મિનલ વિકસાવવાની જાહેરાત ગઈ કાલે કેન્દ્રીય રેલવે પ્રધાન અશ્વિની વૈષ્ણવે કરી હતી.

અશ્વિની વૈષ્ણવે ગઈ કાલે અમદાવાદ સ્ટેશનની મુલાકાત લીધી હતી અને સ્ટેશનના પુનર્વિકાસ અને બુલેટ ટ્રેન પ્રોજેક્ટની કામગીરીની સમીક્ષા કરી હતી. તેમણે કહ્યું હતું કે 'અમદાવાદ સ્ટેશન ખાતે ૧૬ માળનું આધુનિક બિલ્ડિંગ બની રહ્યું છે. અમદાવાદમાં હાઈ સ્પીડ રેલવે સ્ટેશનનું કામ લગભગ પૂરું થવા આવ્યું છે. બુલેટ ટ્રેન સ્ટેશન અને અમદાવાદ રેલવે સ્ટેશનને એકીકૃત સ્વરૂપે વિકસાવવામાં આવી રહ્યાં છે જેથી મુસાફરોને સરળ સ્થળાંતરની સુવિધા મળી રહેશે. અમદાવાદ સ્ટેશનને ત્રણ વધારાનાં પ્લેટફોર્મ મળશે જેથી ટ્રેનોની સંચાલનક્ષમતા વધશે. મુંબઈ, દિલ્હી, ચેન્નઈ, કલકત્તા સહિત દેશનાં મુખ્ય ૨૦ સ્ટેશનોમાંથી નવી ટ્રેનોની માગ વધુ આવે છે. ગુજરાતમાં અમદાવાદ અને સુરતથી પણ વધુ માગ આવી રહી છે. આ વધતી માગને ધ્યાનમાં રાખીને ટ્રેનોની સંચાલનક્ષમતાને વધારવા માટે અમદાવાદના વટવામાં મેગા ટર્મિનલ વિકસાવવામાં આવશે. એમાં ૧૦ પિટ લાઈનો બનાવવામાં આવશે. એના માધ્યમથી અંદાજે ૪૫ ટ્રેનોની ક્ષમતા વધશે. એથી ૧૫૦ જેટલી ટ્રેનોનું સંચાલન શક્ય બનશે.'

સ્ટેશન પર સીદી સૈયદની જાળી

અમદાવાદના બુલેટ ટ્રેન સ્ટેશનની ડિઝાઇન શહેરની સમૃદ્ધિ, સાંસ્કૃતિક અને ઐતિહાસિક ધરોહરથી પ્રેરિત છે. સ્ટેશનની છત અને બહારના ભાગે સેંકડો પતંગોને



બુલેટ ટ્રેનના સ્ટેશનની છત પર પતંગોની ડિઝાઇન બનશે.



અમદાવાદમાં બની રહેલું બુલેટ ટ્રેનનું સ્ટેશન અને પુનર્વિકાસ પામી રહેલું અમદાવાદનું રેલવે-સ્ટેશન.

એક સુંદર કેન્વસના રૂપમાં પ્રસ્તુત કરવામાં આવી રહી છે, જ્યારે કેનપી પેટર્ન પ્રખ્યાત સીદી સૈયદની જાળીની કોતરણીવાળી ડિઝાઇનથી પ્રેરિત છે.

કેવી હશે સુવિધાઓ?

અમદાવાદના રેલવે સ્ટેશનના પ્લેટફોર્મ નંબર ૧૦, ૧૧ અને ૧૨ પર બુલેટ ટ્રેનનું સ્ટેશન બની રહ્યું છે. બુલેટ ટ્રેનના સ્ટેશનમાં બે પ્લેટફોર્મ હશે. સ્ટેશન પર વેઈટિંગ લાઉન્જ, રેસ્ટ રૂમ તથા કાર,

બસ, રિક્ષા માટે પાર્કિંગ અને પિક-અપ તેમ જ ડ્રોપ-ઓફની વ્યવસ્થા હશે. બુલેટ ટ્રેનનું સ્ટેશન કાળુપુર મેટ્રો રેલવે સ્ટેશન સાથે જોડાયેલું હશે જેથી મુસાફરોને બુલેટ ટ્રેનમાંથી શહેરના બીજા વિસ્તારોમાં મેટ્રોથી જવું હશે તો એની કનેક્ટિવિટી મળી રહેશે. આ ઉપરાંત બુલેટ ટ્રેન સ્ટેશનમાંથી અમદાવાદ રેલવે સ્ટેશનના પ્લેટફોર્મ નંબર ૧થી ૮ સુધી જઈ શકાય એવી કનેક્ટિવિટી બનશે.